nt>

Title : Need to provide compensation to the families of defence personnel killed while defending the borders at par with the compensation given to Kargil Martyrs.

श्री महेन्द्र सिंह पाल (नैनीताल) : उपाध्याक्ष महोदय, कारगिल युद्ध के दौरान सीमा पर शहीद होने वाले सैनिकों को सरकार ने विभिन्न सुविधाएं देने की घोाणा की थी, जिसमें आर्थिक सहायता से लेकर रोजगार प्रदान करना तथा जीविकोपार्जन के लिए पैट्रोल पम्प, गैस एजेंसी इत्यादि देने का प्रावधान था। कारगिल युद्ध से लेकर आज तक बराबर सीमा पर सैनिक शहीद हो रहे हैं, लेकिन यह सुविधा केवल कारगिल शहीदों तक ही सीमित रखी गई है जबकि कारगिल युद्ध समाप्त होने के बाद आज भी सीमपार आतंकवाद के कारण कई सैनिक एवं सेनाधिकारी शहीद हुए हैं और लगातार हो रहे हैं, लेकिन इन शहीद सैनिकों को वह सुविधा उपलब्ध नहीं है।

महोदय, पिछले चार-पांच सालों में देश के विभिन्न भागों के और खासकर उत्तरांचल राज्य के अल्मोड़ा, नैनीतल, पिथौरागढ़, उधमसिंह नगर, गढ़वाल, टिहरी गढ़वाल ए वं देहरादून इत्यादि जिलों के कई सैनिक एवं सेनाधिकारी शहीद हुए हैं। इन शहीद सैनिकों ने कारगिल युद्ध के ही समानान्तर तथा कई बार उससे भी ज्यादा बढ़कर अपनी सेवाओं का योगदान दिया है, लेकिन सरकार की तरफ से उन्हें करागिल युद्ध के शहीदों जैसी सुविधा नहीं जा रही है।

महोदय, मेरी भात सरकार से मांग है कि कारगिल युद्ध के बाद भी जितने सैनिक देश की सीमा की रक्षा के दौरान शहीद हुए हैं, उनके परिवारों को भी कारगिल युद्ध शहीदों जैसी सुविधाएं प्रदान की जाएं।